सी० आई० एल० द्वारा दी गई जानकारी के अनुसार अक्रियाशील खानों के राजवार ब्यौरे नीचे दिए गए हैं :—

राज्य का नाम	अक्रियाशील खानों की संख्या
बिहार	45
असम	5
पश्चिमी बंगाल	14
मध्य प्रदेश	1

अभी हाल ही में बिहार सरकार ने बिहार की बंद पड़ी कोलियरियों में कार्य की व्यवहार्यता का अध्ययन करने के लिए संयुक्त जांच समिति संस्थापित की है । यह समिति बिहार सरकार को अपनी रिपोर्ट प्रस्तुत करेगी । इस आशय का संकेत देना संभव नहीं है कि उक्त खानों के क्रियाकलापों को पुन: कब तक खोला जाएगा ।

कोयले के आयात में वृद्धि

412. **श्री रणजीत सिंह :**
श्री राम जेठमलानी :

क्या **कोयला** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि गत तीन वर्षों के दौरान देश में अच्छी गुणवत्ता वाले कोयले के आयात में निरन्तर वृद्धि हो रही है ;

(ख) यदि हां, तो चालू वर्ष के दौरान अनुमानत : कितनी मात्रा में कोयले का आयात किए जाने की संभावना है ;

(ग) क्या यह भी सच है कि देश में ही अच्छी गुणवत्ता वाले कोयले के भंडार उपलब्ध हैं; और

(घ) यदि हां, तो क्या सरकार देश में ही इस प्रकार के कोयले का अधिक उत्पादन करके कोयले के आयात में कमी करने के लिए कोई प्रभावी कदम उठा रही है और यदि हां, तो उसका ब्यौरा क्या है ?

कोयला मंत्रालय में उप मंत्री (श्री एस० बी० नयमेगौड़ा) : (क) और (ख) एकीकृत इस्पात संयंत्र मुख्यत: निम्न राख वाले कोकिंग कोयले का आयात देशीय कोयले की उपलब्धता तथा मांग के बीच के अन्तराल को पूरा करने के लिए देशीय कोयले में मिश्रित किए जाने के लिए करते हैं और इसका आयात इस्पात संयंत्रों में प्रयोग किए जाने के लिए इसकी मिश्रण गुणवत्ता में समग्र रूप से सुधार किए जाने के लिए भी किया जाता है। इस्पात संयंत्रों द्वारा आयात किए गए कोकिंग कोयले की मात्रा नीचे दी गई है :–

(मिलियन टन में

वर्ष	आयातित कोकिंग कोयला
1989–90	4.66
1990–91	5.72
1991–92 (अनंतिम)	5.25 (टिस्को को छोड़कर)
1992–93 (अनुमानित)	6.00)

(ग) कोकिंग कोयले के बड़े भंडार झरिया कोयला क्षेत्र में विद्यमान हैं, जहां भू-खनन प्रौद्योगिकी तथा संरचनात्मक संबंधी गंभीर समस्याएं हैं, जोकि निम्न-लिखित हैं :–

आंशिक रूप से उत्खनित खानें, आग का होना और समीप के क्षेत्रों, गांवों, टाउनशिप में जलमग्न खानें और अन्य विनिर्मित ढांचे और ऐसे नाले तथा पुलिया, जिनको स्थानान्तरित किया जाना अपेक्षित है अथवा ऐसी सुरक्षात्मक कार्रवाई, जोकि इस कोयला क्षेत्र में तेजी से विकास किए जाने के मामले में आड़े आ रही हैं ।

(घ) अन्य बातों के अलावा कोकिंग कोयले की देशीय उपलब्धता को बढ़ाने

के लिए उठाए गए कदमों से निम्नलिखित कदम शामिल हैं :–

(1) मौजूदा खानों के पुनर्गठन और नई खानों के विकास के द्वारा कच्चे कोककर कोयले की उपलब्धता में वृद्धि किया जाना।

(2) गुणवत्ता को देखते हुए 1984–85 में वाशरियों से असंयोजित कोककर कोयले के स्रोतों की पुनः स्थापना किया जाना।

(3) मौजूदा धुलाई क्षमता में बढ़ोतरी करने के लिए दो नई वाशरियों, मधुबंद और केंडला में प्रत्येक, को चालू करना।

(4) एलतेकर समिति की सिफारिशों के अनुपालन से मौजूदा कोककर कोयला वाशरियों को संशोधन करना ताकि क्षमता, उपयोगिता और धुले कोककर कोयले की गुणवत्ता को बेहतर बनाया जा सके।

(5) मेघालय और असम में कोककर कोयला खानों का पता लगाया गया है ताकि कम राख वाले कोककर कोयले को अधिक मात्रा में प्राप्त किया जा सके।

इन उठाए गए कदमों के क्रियान्वयन से इस्पात संयंत्रों द्वारा कोककर कोयले के आयात में धीरे-धीरे कमी आ जाने की संभावना है।

Production of Coal

413. SHRI CHIMANBHAI MEHTA:
SHRI J. P. JAVALI;
SHRI SOM PAL:
SHRI SARADA MOHANTY;
SHRIMATI MIRA DAS:

Will the Minister of COAL be pleased to state:

(a) what is the production of various categories of coal during last three years;

(b) what is the demand and shortfall of coal and how it is to be met;

(c) what are the known coal reserves in the country and what percentage is being exploited. What is the total capital investment in mines depreciation today, and how much capital would be required for investment to exploit coal to fully meet growing demands till the end of the century;

(d) whether any comparable study of coal mines exploration by developing countries like China is done by the dept. in relation to coal production; and

(e) if so, what are details thereof?

THE DEPUTY MINISTER IN THE MINISTRY OF COAL (SHRI S. B. NYAMAGOUDA): (a) The information is given below:—

(million tonnes)

Category	Production		
	1989-90	1990-91	1991-92 (Provisional)
Cocking Coal			
(a) Metallurgical	24.50	24.10	24.74
(b) Non-metallurgical	19.93	21.20	21.54
Mon-Coking Coal	156.46	166.43	193.00
TOTAL :	200.89	211.73	229.28